



स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

आदर्श अखबार

Adarsh Institute of Management and Science (AIMS)

Dhamnod, का विद्यार्थियों के लिए एक उत्कृष्ट प्रकाशन

15 August, 2025 No. 8



प्रथम वर्ष में नवीन प्रवेशी विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन सैरमनी



आदर्श महाविद्यालय में आज दिनांक 13/08/2025 को सत्र 2025-26 में नवीन प्रवेशी विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन सैरमनी का आयोजन किया गया। इंडक्शन सैरमनी की थीम "good life formula with engaging institute" रही। कार्यक्रम का आरंभ सर्वप्रथम माँ सरस्वती के पूजन से किया गया इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्था के निदेशक महोदय डॉ आरके पाटीदार सर एवं संस्था के प्राचार्य महोदय डॉ यशपाल व्यास सर का स्वागत पुष्प गुच्छ एवं स्वागत गीत के द्वारा किया गया कार्यक्रम की अगली कड़ी में संस्था के प्राचार्य महोदय के द्वारा नवीन प्रवेशित विद्यार्थियों का



स्वागत एवं अभिनंदन किया गया तथा महाविद्यालय को मिली नेक प्रेड का महत्व बताते हुए जीवन में लक्ष्य प्राप्ति कैसे करें, संस्था में प्रवेश लेने के उद्देश्य, शैक्षणिक स्तर, मानसिक स्तर को कैसे शुरू दृढ़ बनाना, आज के समय में खुद को कैसे अपडेट रखें एवं संतुलित करें, डिग्री के अतिरिक्त और भी नए क्षेत्र में प्रयास करें एवं ऐतिहासिक स्थल से परिचय करवाया तथा बच्चों के विकास में अखबार क्या योगदान है इसे भी बहुत सहजता के साथ विद्यार्थियों के सामने प्रस्तुत किया गया जिसके कारण विद्यार्थी प्रेरित हुए इसी क्रम में आगे की ओर संस्था के निदेशक महोदय के द्वारा बच्चों का मार्गदर्शन किया गया जिसमें उन्होंने अपने छात्र जीवन के बारे में बताया, जीवन में अनुशासन का क्या महत्व है, हमें पॉजिटिव कैसे रहना है एवं जीवन में "स" वर्ण का महत्व समझाते हुए उन्होंने "सुख" "संपत्ति" "स्वास्थ्य" "सम्मान" एवं "सुरक्षा" के ऊपर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया उन्होंने बताया कि जिसने संघर्ष किया है वही चर्चित होता है, भीड़ से हटकर कुछ कार्य करना यही आपको चर्चित करता है, लक्ष्य को निर्धारित करना और उसके मार्ग में आगे बढ़ना आपके लक्ष्य तक पहुंचा देता है, हार नहीं मानना है हमेशा खुश रहना है, मौका हाथ से नहीं



छोड़ा है जिंदगी को मोबाइल से नहीं मैदान से बनाना है, स्क्रीन से नहीं रिकल से सीखना है, इंटरनेट से पहले किसी महत्वपूर्ण कार्य में इंगेजमेंट जरूरी है, "संघर्ष एवं ज्ञान" की कविता से विद्यार्थियों को प्रेरित किया कार्यक्रम के अगले कड़ी में संस्था के प्रशासनिक अधिकारी अमित वर्मा सर के द्वारा पीपीटी के माध्यम से एवं भगवान बुद्ध के जीवन परिचय के द्वारा नवीन प्रवेशी विद्यार्थियों को प्रेरित किया गया उन्होंने अपनी पीपीटी के माध्यम से किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व को बनाने के लिए तीन महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की जैसे "आदर्श", प्रेरणादायक कहानियां एवं पढ़ाई के द्वारा विद्यार्थियों को एक नई दिशा प्रदान की एवं कार्यक्रम की अगली कड़ी में संस्था के अकादमी प्रभारी सहायक प्राध्यापक काशीराम धनगर सर के द्वारा "स्टोन स्टोरी" के माध्यम से संघर्ष एवं मेहनत की परिभाषा विद्यार्थियों के सामने प्रस्तुत की उन्होंने बताया की संघर्ष में मेहनत से परिणाम बहुत बेहतर साबित होते हैं कार्यक्रम की अगली कड़ी में प्राणी विभाग से सहायक प्राध्यापिका रवीना चौहान मेम के द्वारा "कोशिश कर" कविता के माध्यम से विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया नवीन प्रवेशित विद्यार्थियों के द्वारा बीते 25 कार्य दिवस के दौरान अपने अनुभव मंच के माध्यम से प्रस्तुत किए गए एवं परिणाम में यह पाया गया की नवीन प्रवेशित

विद्यार्थियों के लिए आदर्श महाविद्यालय बहुत महत्वपूर्ण और जीवन में अपने लक्ष्य प्राप्ति के लिए सही मार्गदर्शक है। कार्यक्रम की अगली कड़ी में कल दिनांक 12/ 8/ 2025 को हुई निबंध प्रतियोगिता जिसका शीर्षक "विकसित भारत में युवाओं का योगदान" में प्रतिभागी बने विद्यार्थियों एवं उनमें से श्रेष्ठ निबंध लेखन के लिए पुरस्कृत भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन कला संकाय की सहायक अध्यापिका प्रियंका तिवारी मेम के द्वारा किया गया एवं कार्यक्रम के अंत में अतिथियों, शैक्षणिक स्टाफ, गैर शैक्षणिक स्टाफ एवं कार्यक्रम आयोजक टीम का आभार प्रदर्शन महाविद्यालय के IQAC प्रभारी एवं भौतिक - गणित संकाय के विभाग अध्यक्ष सहायक प्राध्यापक यश कर्मा सर के द्वारा किया गया इस दौरान सभी विभाग से समस्त स्टाफ की उपस्थिति रही एवं कार्यक्रम का सफल समापन हुआ। विशेष धन्यवाद - इस सफल आयोजन एवं सफल समापन के लिए मैं कार्यक्रम प्रभारी सहायक प्राध्यापक यश कर्मा समस्त टीम सदस्य, समस्त शैक्षणिक स्टाफ एवं गैर शैक्षणिक स्टाफ का हृदय से आभारी हूँ एवं आप सभी की ओर धन्यवाद प्रेषित करता हूँ।

एक पेड़ माँ के नाम



दिनांक 05/08/2025 मंगलवार (शुक्र पक्ष) के दिवस पर आदर्श इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंस महाविद्यालय धामनोद में हमारे भारत देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए चलाए गए अभियान एक पेड़ माँ के नाम के उपलक्ष्य में हमारे आदर्श महाविद्यालय के कुल 110 विद्यार्थियों द्वारा 110 पौधों का पौधारोपण कार्यक्रम संपन्न किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना और माताओं के प्रति सम्मान व्यक्त करना है इस शुभ कार्य में सर्वप्रथम हमारे महाविद्यालय के निदेशक महोदय प्रकृति प्रेमी डॉक्टर आर के पाटीदार सर ने पौधा रोपण का शुभारंभ किया तत्पश्चात संस्था के प्रशासनिक अधिकारी श्री अमित वर्मा सर एवं अकादमी का अधिकारी श्री काशीराम धनगर सर ने सभी विद्यार्थियों के साथ मिलकर अधिक से अधिक संख्या में पौधे

आरोपित किए। इस कार्य में एंटी रैगिंग प्रभारी प्रमोद कुमार बामनिया सर कला संकाय में पदस्थ स. प्रा. अल्केश ठाकुर सर साथ ही वाणिज्य विभाग में पदस्थ स. प्रा. शीतल राठौर मैडम द्वारा भी विद्यार्थियों के साथ सम्मिलित होकर अत्यधिक संख्या में पौधा रोपण का कार्य किया। साथ ही साथ पेड़ लगाओ, पर्यावरण बचाओ ये ही है जीवन का आधार। संदेश जन जन तक पहुंचाने का भी प्रयास किया। आज के इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जीवन जन जन तक पेड़ों के महत्व को बताना वृक्ष कटाव को रोकना साथ ही साथ सभी विद्यार्थियों को प्रकृति की सौंदर्यता से जोड़ना व प्रकृति के प्रति सम्मान, प्रेम और सुरक्षा की भावना को जागृत करना है जय हिंद।

क्यों और कैसे मनाया जाता है स्वतंत्रता दिवस

15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है क्योंकि इस दिन भारत ने ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता प्राप्त की थी।

स्वतंत्रता दिवस का इतिहास:

15 अगस्त 1947 को भारत ने ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता प्राप्त की, जब भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने दिल्ली के लाल किले पर तिरंगा झंडा फहराया। यह दिन भारत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जिसने देश को ब्रिटिश शासन से मुक्ति दिलाई और भारत को एक स्वतंत्र राष्ट्र घोषित किया।

स्वतंत्रता दिवस का महत्व:

स्वतंत्रता दिवस भारत की स्वतंत्रता की याद में मनाया जाता है और यह देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। इस दिन लोग देश की स्वतंत्रता के लिए शहीद हुए वीरों को श्रद्धांजलि देते हैं और देश की प्रगति और समृद्धि के लिए काम करने का संकल्प लेते हैं। 15 अगस्त का दिन भारत की स्वतंत्रता और संप्रभुता का प्रतीक है। यह दिन देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है, और इसे हर साल स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है।

स्वतंत्रता दिवस के दौरान किए जाने वाले कार्य:

- तिरंगा झंडा फहराना
- देशभक्ति गीत और नारे लगाना
- स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि देना
- देश की प्रगति और समृद्धि के लिए काम करने का संकल्प लेना

तिरंगे का एक अपना ही महत्व होता है" यह बिल्कुल सही है। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज, जिसे तिरंगा भी कहा जाता है, भारत की एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है। इसका हर रंग, हर चक्र, और हर पहलू देश के इतिहास, संस्कृति, और मूल्यों को दर्शाता है।

तिरंगे के तीन रंग, केसरिया, सफेद, और हरा, अपने-अपने महत्व रखते हैं: तिरंगे झंडे में तीन रंग होते हैं: केसरिया, सफेद, और हरा। प्रत्येक रंग का अपना एक विशेष अर्थ होता है:

केसरिया रंग:

केसरिया रंग साहस, बलिदान, और त्याग का प्रतीक है। यह रंग हमें देश के लिए साहस और बलिदान करने की प्रेरणा देता है।

सफेद रंग:

सफेद रंग शुद्धता, सत्य, और शांति का प्रतीक है। यह रंग हमें सत्य और शांति के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

हरा रंग:

हरा रंग हरियाली, विकास, और समृद्धि का प्रतीक है। यह रंग हमें प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और विकास की प्रेरणा देता है।

अशोक चक्र (नीला रंग):

तिरंगे झंडे के केंद्र में अशोक चक्र होता है, जो नीले रंग का होता है। यह चक्र धर्म और न्याय का प्रतीक है, और यह हमें धर्म और न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

तिरंगा झंडा भारत की एकता, अखंडता, और संप्रभुता का प्रतीक है, और यह हमें देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का एहसास कराता है।

इसरो की उपलब्धियाँ जिन्होंने हमें गौरवान्वित किया



शुक्रवार, 15 अगस्त, 2025 को भारत अपना 79वाँ स्वतंत्रता दिवस मनाएगा। इस दिन ने 1947 में 30 करोड़ से ज्यादा लोगों की नियति को हमेशा के लिए बदल दिया। सदियों के विदेशी प्रभुत्व से उपजा एक लोकतंत्र, भारत

आज दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। भारत का स्वतंत्रता दिवस उसी दिन पड़ता है जिस दिन 1969 में डॉ. विक्रम साराभाई, जिन्हें भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम का जनक भी कहा जाता है, के दूरदर्शी मार्गदर्शन में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की आधिकारिक स्थापना हुई थी। उनका सपना अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का उपयोग राष्ट्र के विकास और वैज्ञानिक उन्नति के लिए करना था। पिछले 56 वर्षों में, इसरो एक वैश्विक अंतरिक्ष महाशक्ति के रूप में विकसित हुआ है। 1970 के दशक में अपने पहले उपग्रह, आर्यभट्ट, के प्रक्षेपण से लेकर अपने पहले ही प्रयास में मंगल ग्रह पर पहुँचने वाला पहला एशियाई राष्ट्र बनने तक, इसरो दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित अंतरिक्ष एजेंसियों में से एक के रूप में विकसित हुआ है। आइए, भारत की अंतरिक्ष यात्रा पर एक नज़र डालते हैं। पिछले पाँच दशकों में इसरो की सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं।

• आर्यभट्ट और एसएलवी-3 (1975)

भारत की अंतरिक्ष यात्रा वास्तव में 19 अप्रैल, 1975 को अपने पहले उपग्रह आर्यभट्ट के प्रक्षेपण के साथ शुरू हुई। सोवियत संघ के कपुस्टिन यार से प्रक्षेपित 360 किलोग्राम वजन की आर्यभट्ट को एक्स-रे खगोल विज्ञान, सौर भौतिकी और वायुविज्ञान में वैज्ञानिक प्रयोगों के लिए डिज़ाइन किया गया था। तकनीकी समस्याओं के कारण इसका मिशन छोटा हो गया, लेकिन उपग्रह के डिज़ाइन और संचालन से सीखे गए सबक अमूल्य साबित हुए।

• जीएसएलवी और जीसैट मिशन

2001 में शुरू हुए इसरो के भू-समकालिक उपग्रह प्रक्षेपण यान (जीएसएलवी) कार्यक्रम ने भारत को भूस्थिर कक्षा में भारी पेलोड प्रक्षेपित करने में सक्षम बनाया। इसके प्रमुख प्रयासों में

जीएसएलवी-डी5 (2014) शामिल है, जिसमें भारत के पहले पूर्ण स्वदेशी क्रायोजेनिक इंजन का इस्तेमाल किया गया था, और जीएसएलवी एमके III-डी1 (2017) जिसने उस समय भारत के सबसे भारी उपग्रह जीसैट-19 को प्रक्षेपित किया था।

• मंगलयान (2013)

शायद इसरो की सबसे प्रशंसनीय उपलब्धि 5 नवंबर, 2013 को मंगलयान (मार्स ऑर्बिटर मिशन) के प्रक्षेपण के साथ आई। 24 सितंबर, 2014 को, इसने भारत को अपने पहले ही प्रयास में मंगल ग्रह पर पहुँचने वाला पहला देश बना दिया, जिसे नासा ने भी असाधारण उपलब्धि बताया। पीएसएलवी-सी37 (2017)

इसरो का ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) विश्वसनीयता के लिए प्रसिद्ध है, लेकिन 15 फरवरी, 2017 को इसने एक ही मिशन में 104 उपग्रहों को प्रक्षेपित करके वैश्विक सुर्खियों बटोरीं, जो एक विश्व रिकॉर्ड है।

• नाविक (2018)

2018 में, भारत ने नाविक (भारतीय नक्षत्र के साथ नेविगेशन) पूरा किया, जो एक स्वदेशी नेविगेशन प्रणाली है जो भारत और उसकी सीमाओं से 1,500 किलोमीटर आगे तक फैली हुई है। भूस्थिर और भू-समकालिक कक्षाओं में सात उपग्रहों के साथ, नाविक रक्षा, आपदा प्रबंधन और दूरस्थ क्षेत्रों में नेविगेशन के लिए सटीक स्थिति निर्धारण प्रदान करता है।

• चंद्रयान मिशन

भारत के पहले चंद्र मिशन, चंद्रयान-1 (2008) ने चंद्रमा पर जल के अणुओं की अभूतपूर्व खोज की, जिसने दशकों की धारणाओं को पलट दिया। चंद्रयान-2 (2019) का लक्ष्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग करना था। हालाँकि इसका लैंडर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, लेकिन ऑर्बिटर मूल्यवान डेटा प्रदान करता रहा।

• आदित्य-एल1 (2023)

2 सितंबर, 2023 को प्रक्षेपित, आदित्य-एल1 सूर्य का अध्ययन करने वाला भारत का पहला समर्पित मिशन है। लैग्रेंज बिंदु 1 पर स्थित, यह सौर प्रभामंडल, वर्णमंडल और सौर वायु का अवलोकन करता है, जिससे वैज्ञानिकों को अंतरिक्ष मौसम की उन घटनाओं की भविष्यवाणी करने में मदद मिलती है जो उपग्रहों, विद्युत ग्रिड और संचार को बाधित कर सकती हैं।

विश्व :

- * अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और रूसी राष्ट्रपति पुतिन 15 अगस्त को अलास्का में मुलाकात करेंगे। इसका मकसद यूक्रेन में साढ़े तीन साल से चल रही जंग खत्म करना है। भारत की दृष्टि से भी यह मुलाकात अहम होगी, अगर यह सफल होती है तो ट्रम्प के लगाए हुए टैरिफ से रहत मिलने की उम्मीद है।
- * NSA अजीत डोभाल ने मास्को यात्रा के दौरान रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात की, अमेरिकी टैरिफ के चलते यह मुलाकात अहम रही। राष्ट्रपति पुतिन इस साल भारत भी आएंगे।
- * प्रधानमंत्री मोदी SCO समिट में शामिल होने के लिए चीन जाएंगे। यह दौरा 31 अगस्त और 1 सितंबर को होगा। 2020 में गलवान घाटी में भारत-चीन सैन्य झड़प के बाद PM की पहली यात्रा होगी।
- * फिलिपींस के राष्ट्रपति रोमुआल्डेज मार्कोस जूनियर ने 5 दिवसीय भारत दौर पर आए। उन्होंने प्रधानमंत्री से भी हैदराबाद हाउस में मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच समझौते MOUs साइन हुए। दोनों नेताओं ने एक डाक टिकट भी जारी किया।
- * ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट ने देश के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो को नजरबंद करने का आदेश दिया है। उन पर आरोप है कि उन्होंने 2022 के राष्ट्रपति चुनाव में हार के बावजूद सत्ता में बने रहने के लिए तख्तापलट की साजिश रची थी।
- * अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच 37 साल पुरानी जंग खत्म करने के लिए समझौता करा दिया है। दोनों देशों में विवादित इलाके के लिए एक ट्रांजिट कॉरिडोर बनाने पर सहमति बनी है।

देश :

- * सरकारी बंगले में अधजले नोटों की बोरियां मिलने के मामले में जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ लोकसभा में महाभियोग की प्रक्रिया शुरू हो गयी है। स्पीकर ने इसका प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है और उनके खिलाफ लगे आरोपों की जांच के लिए कमेटी बनाई है। इसमें सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट के जज एवं एक वरिष्ठ वकील हैं। समिति अपनी रिपोर्ट सौंपेगी, फिर संसद में महाभियोग प्रस्ताव पर निर्णय होगा।
- * सुप्रीम कोर्ट द्वारा आठ हफ्तों में दिल्ली एनसीआर की सड़कों से आवारा कुत्तों को सड़कों से हटाकर शेल्टर होम ले जाने का आदेश दिया गया है। इसके बाद तीन केन्द्रीय मंत्रालयों ने सभी राज्यों को एक एडवाइजरी भेजी है। इसमें कहा गया है की देश में 1.53 करोड़ आवारा कुत्ते हैं। इनमे से 70 % का वैक्सिनेशन वा नसबंदी एक साल में करने का टारगेट रखा गया है।
- * मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की अवधि को गृह मंत्री अमित शाह की शिफारिश पर 6 माह बढ़ा दिया गया है, यह राष्ट्रपति शासन मणिपुर के मुख्यमंत्री के इस्तीफे के बाद 13 फरवरी 2025 को लगाया गया था।
- * चुनाव आयोग ने उपराष्ट्रपति पद के लिए होने वाले चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी है। 9 सितंबर को यह चुनाव होगा। जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद यह पद खाली है।
- * लोक सभा में नया इनकम टैक्स बिल, नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल 2025 और एंटी डोपिंग बिल पास कर दिए गए।

प्रदेश :

मध्यप्रदेश विधानसभा में जन विश्वास 2.0 बिल पेश, औद्योगिक निवेशकों, कारोबारियों और आम लोगों को छोटी-मोटी लापरवाही या अनजाने में हुए सिविल अपराधों पर कोर्ट-कचहरी के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। इसके लिए मप्र सरकार ने जन विश्वास (उपबंधों का संसोधन) विधेयक 2025 विधानसभा में पेश किया। 16 कानूनों की 44 धाराओं को अपराध मुक्त करते हुए सामान्य पेनल्टी में बदला जाएगा।

काकोरी ट्रेन क्रांति के 100 वर्ष पूरे



काकोरी क्रांति की पूरी कहानी

9 अगस्त 1925

शाहजहांपुर से लखनऊ जा रही नंबर 8 डाउन ट्रेन को लूटा, ताकि ब्रिटिश सरकार के खजाने में संधे लगाई जाए।

किसे क्या सजा हुई

फांसी

काला पानी

रामप्रसाद बिसमिल, अशफाकुल्ला खां, रोशन सिंह, व राजेंद्र नाथ लाहिड़ी

सचिंद्र सान्याल सचिंद्र बख्शी

बाकी बचे क्रांतिकारियों को 4 से 14 साल तक कैद

खेल समाचार :

- * भारत - इंग्लैंड के बीच खेली गई 5 टेस्ट मैच की सीरीज 2-2 से बराबर रही। यह सीरीज 20 जून से 5 अगस्त के बीच इंग्लैंड में खेली गई। रोहित शर्मा और विराट कोहली के रिटायरमेंट के बाद यह पहली टेस्ट सीरीज थी। यह टेस्ट सीरीज दूसरी सबसे ज्यादा रन वाली टेस्ट सीरीज हो गई, इसमें कुल 7187 रन बने।

Adarsh Institute Of Management & Science

A.B. Road Dhamnod



9893537647

ADMISSIONS OPEN 2025-26

B.Sc.

Biotechnology
Computer science
Bio-PlainM.Sc. Zoology
ChemistryB.A.
B.Com.

Computer Application

M.A.
SociologyM.Com.
Plain

ट्रम्प ने भारत पर लगाया 50% टैरिफ

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत पर पहले 25% टैरिफ लगाया था जिसको 7 अगस्त से लागू हो गया, इसके साथ ही उन्होंने अतिरिक्त पेनल्टी टैरिफ लगा कर इसको दोगुना कर दिया। अब भारत पर कुल 50% टैरिफ लगाया गया है, जो 27 अगस्त से लागू होगा। ट्रम्प ने रूस से तेल लेने के चलते भारत पर पेनल्टी लगाई है। भारत पहला देश है जिस पर पेनल्टी टैरिफ लगा है। इसके साथ ही भारत अब ब्राजील के साथ सबसे बड़ा अमेरिकी टैरिफ (50%) वाला देश बन गया है। चीन पर यह टैरिफ 30% है, और पाकिस्तान पर 19%।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने अमेरिका के खुद रूस से व्यापार पर सवाल उठाते हुए कहा की अमेरिका भी रूस से खाद और युरेनियम खरीद रहा है। और भारत को निशाना बनाना तर्कहीन है, हम 140 करोड़ नागरिकों के हित के लिए ज़रूरी कदम उठाएंगे।

टैरिफ क्या होता है

टैरिफ का मतलब है सरकार द्वारा किसी वस्तु या सेवा पर लगाया गया कर या शुल्क, जब वह एक देश से दूसरे देश में निर्यात या आयात होती है। इसका उद्देश्य संरक्षणवाद यानी विदेशी वस्तुओं को मंहगा करके देशी उद्योगों को बचाना होता है। और देशों के बीच माल के प्रवाह को नियंत्रण करना।

रूस में 8.8 की तीव्रता का भूकंप

रूस के पूर्वी प्रायद्वीप कामचटका में दुनिया का छठा सबसे बड़ा भूकंप आया। US जियोलाॉजिकल सर्वे के मुताबिक भूकंप की तीव्रता 8.8 थी। भूकंप का केंद्र ज़मीन से 19.3 किलोमीटर की गहराई में था।

भूकंप के कारण समंदर में भी सुनामी की लहरें उठी। कामचटका में 5 मीटर तक ऊँची सुनामी आई है। पूर्वी जापान में तट के पास एक फुट ऊँची सुनामी लहरें उठी। अमेरिका के अलास्का और हवाई द्वीप तक सुनामी की लहरें पहुंच गई।

चीन, फिलिपींस, इंडोनेशिया, न्यूजीलैंड, पेरू और मेक्सिको ने भी अपने तटीय इलाकों में सुनामी अलर्ट जारी कर दिए हैं।

दुनिया का सबसे बड़ा भूकंप 1960 बिओबियो, चिली में आया था, जिसकी तीव्रता 9.5 थी।



ऑस्ट्रेलिया फिलिस्तीन को आज़ाद देश की मान्यता देगा

ऑस्ट्रेलिया ने फिलिस्तीन को एक अलग देश के तौर पर मान्यता देने का एलान किया है। अब वह ऐसा करने वाला पांचवा देश बन गया है, इसके पहले ब्रिटेन, फ्रांस, कनाडा और माल्टा भी फिलिस्तीन को मान्यता देने का एलान कर चुके हैं। न्यूजीलैंड का भी कहना है वह इस मामले में विचार कर रहा है।

★ देश परिचय : ऑस्ट्रेलिया (Australia)

भौगोलिक स्थिति : ऑस्ट्रेलिया दक्षिणी गोलार्ध में स्थित है, इसके चारों ओर हिंद महासागर और प्रशांत महासागर है। यह एक देश और महाद्वीप दोनों है।

राजधानी : कैनबरा (canberra)

भाषा : अंग्रेज़ी

मुद्रा : ऑस्ट्रेलियाई डॉलर

जनसंख्या : 2.8 करोड़

धर्म : ईसाई धर्म प्रमुख, बड़ी संख्या में लोग कोई धर्म नहीं मानते हैं।

नदी : मरे (murray) नदी, डार्लिंग नदी, कूपर क्रीक नदी, विक्टोरिया नदी, आदि।

पर्यटन स्थल :

* सिडनी ओपेरा हाउस - विश्व प्रसिद्ध वास्तुकला और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का केंद्र।

* ग्रेट बैरियर रीफ - दुनिया की सबसे बड़ी प्रवाल भित्ति प्रणाली (coral reef system)।

* ब्लू माउटेन्स - खूबसूरत पहाड़, जंगल और झरनों के लिए प्रसिद्ध।

* कंगारू आइलैंड - वन्य जीवन और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए मशहूर।

भूकंप

के बारे में

- पृथ्वी का कंपन; ऊर्जा के निकलने के कारण तरंगें उत्पन्न होती हैं, जो सभी दिशाओं में फैलकर भूकंप लाती हैं।

भूकंपीय तरंगें

- भूगर्भीय तरंगें:** पृथ्वी के अंदरूनी भाग से होकर सभी दिशाओं में आगे बढ़ती हैं।
- P तरंगें:** तीव्र गति से चलती हैं, ध्वनि तरंगों जैसी होती हैं, गैस, तरल व ठोस तीनों प्रकार के पदार्थों से गुजर सकती हैं।
- S तरंगें:** धरातल पर कुछ समय अंतराल के बाद पहुंचती हैं, केवल ठोस पदार्थों के ही माध्यम से चलती हैं।
- धरातलीय तरंगें:** भूकंपलेखी (सिस्मोग्राफ) पर अंत में अभिलेखित होती हैं, अधिक विनाशकारी, शीलों/चट्टानों के विस्थापन का कारण बनती हैं।
- लव तरंगें:** लंबवत् विस्थापन के बिना S-तरंगों के समान गति (क्षैतिज), क्षैतिज गति प्रसार की दिशा के लंबवत्, रेल तरंगों की तुलना में तीव्र गति।
- रेले तरंगें:** भूमि पर दीर्घवृत्ताकार पथ में दोलन उत्पन्न करती हैं, सभी भूकंपीय तरंगों में से अधिकांश के प्रसार का कारण बनती हैं, एक ऊर्ध्वधर ताल में लंबवत् व क्षैतिज रूप से गति करती हैं।

भूकंप के कारण

- किसी भ्रंश/भ्रंश जोन के किनारे-किनारे ऊर्जा का निर्यात होना (भूपर्पटी की शिलों में दरारें)
- टेक्टोनिक प्लेटों का संवलन (सबसे सामान्य कारण)
- ज्वालामुखी विस्फोट (शील के तनाव में परिवर्तन - मैग्मा का अंतःक्षेपण/निकासी)
- मानवीय गतिविधियाँ (खनन, रसायनों/परमाणु उपकरणों का विस्फोटन आदि)

भूकंप का मापन

- भूकंपमापी (Seismometer)- भूकंपीय तरंगों को मापता है
- रिक्टर पैमाना (Richter Scale)- परिमाण को मापता है (निर्मुक्त ऊर्जा; सीमा: 0-10)
- मर्कैली (Mercalli)- तीव्रता को मापता है (व्युत्पन्न क्षति; सीमा: 1-12)

वितरण

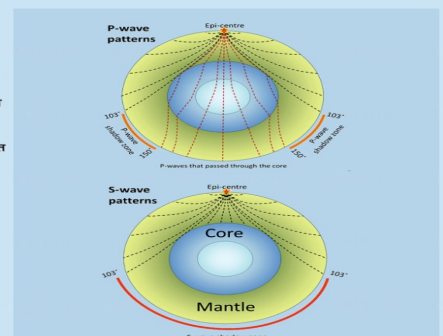
- परि-प्रशांत मेखला (Circum-Pacific Belt)- सभी भूकंपों का 81%
- अल्पाइड भूकंप मेखला (Alpide Earthquake Belt)- सबसे बड़े भूकंपों का 17%
- मध्य अटलंटिक कटक (Mid-Atlantic Ridge)- अधिकांशतः जल के नीचे हुआ

अवकेंद्र (Hypocenter)

- यह स्थान जहाँ भूकंप का उद्गम होता है (पृथ्वी की सतह के नीचे)

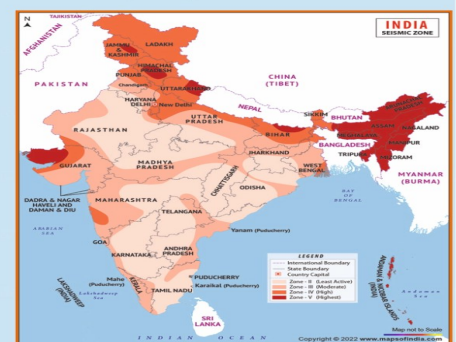
अधिकेंद्र (Epicenter)

- अवकेंद्र के समीपस्थ स्थान (पृथ्वी की सतह पर)



भारत में भूकंप

- तकनीकी रूप से सक्रिय पर्वतों- हिमालय की उपस्थिति के कारण भारत भूकंप से अत्यंत प्रभावित देशों में से एक है।
- भारत को 4 भूकंपीय क्षेत्रों (I, II, III, IV, और V) में विभाजित किया गया है।



व्यक्तित्व : जीवन परिचय

श्री अरबिंदो - योगी , कवि , राष्ट्रवादी और दार्शनिक

जन्म : 15 अगस्त 1872, कलकत्ता

पिता : कृष्णधन घोष

माता : स्वर्णलता देवी

उनकी शिक्षा दार्जिलिंग के स्कूल में हुई , जिसके पश्चात वे Cambridge university में प्रवेश लिया , जहाँ आधुनिक और शास्त्रीय भाषाओं में कुशल हो गए |

वर्ष 1892 में उन्होंने बड़ोदा और कलकत्ता में विभिन्न प्रशासनिक पदों पर कार्य किया |

भारतीय क्रांतिकारी आंदोलन :

वर्ष 1902 से 1910 तक उन्होंने भारत को अंग्रेजों से मुक्त करने के सिंघर्ष में भाग लिया |

वर्ष 1905 में बंगाल विभाजन के विरोध में उन्होंने “वन्दे मातरम” पत्रिका की शुरुआत की |

वर्ष 1908 - अलीपुर बम कांड में गिरफ्तार किया गया |

इसके दो वर्ष बाद वे ब्रिटिश भारत से भाग कर पोंडिचेरी चले गए और अध्यात्मिक गतिविधियों का अपना लिया |

पोंडिचेरी में उन्होंने अद्यात्मिक साधकों के एक समुदाय की स्थापना की| जिसने 1926 में श्री अरबिंदो आश्रम के रूप में आकार लिया |

साहित्यिक कार्य :

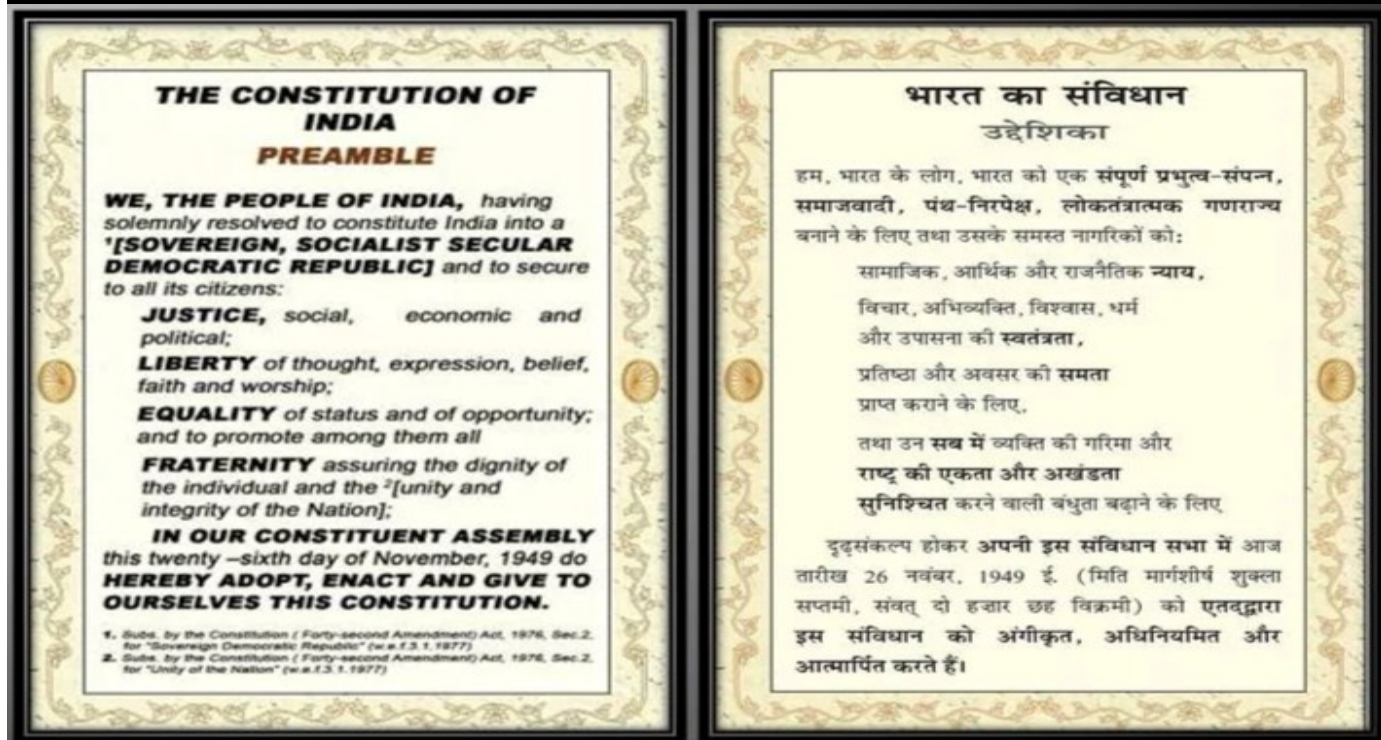
योग के आधार , भगवतगीता और उसका संदेश , पुनर्जन्म और कर्म , आदि |

निधन : 5 दिसंबर 1950 |

इतिहास की खोज -

विद्रोह के स्थान	भारतीय नेता	ब्रिटिश अधिकारी
दिल्ली	बहादुर शाह द्वितीय	जॉन निकोलसन
लखनऊ	बेगम हज़रत महल	हेनरी लॉरेंस
कानपुर	नाना साहेब	सर कॉलिन कैपबेल
झांसी और ग्वालियर	लक्ष्मी बाई और तात्या टोपे	जनरल ह्यूग रोज़
बरेली	खान बहादुर खान	सर कॉलिन कैपबेल
इलाहाबाद और बनारस	मौलवी लियाकत अली	कर्नल ओन्सेल
बिहार	कुंवर सिंह	विलियम टेलर

हमारा संविधान



हमारे पर्व : श्रीकृष्ण जन्माष्टमी



मथुरा से द्वारका तक श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की भव्य तैयारी, कहीं गर्भगृह को 221 किलोग्राम चांदी से सजाया गया तो कहीं बनाए जा रहे 3100 प्रकार के व्यंजन | भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव 16 अगस्त 2025 को मनाया जाएगा. मथुरा से द्वारका तक श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की भव्य तैयारी शुरू हो गई है.

मथुरा प्रशासन ने श्रद्धालुओं के सुलभ और सुरक्षित दर्शन के लिए पूरी ताकत लगा दी है. श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को लेकर आयोजित समारोह में देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु शामिल होंगे. भगवान श्रीकृष्ण का 5252वां जन्मोत्सव 16 अगस्त 2025 को मनाया जाएगा. पूरे देश में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनाने को लेकर उत्साह है. मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर तैयारियां जोरों पर हैं. पूरे शहर को सजाया जा रहा है |

दिल्ली के इस्कॉन मंदिर में भव्य आयोजन |

दिल्ली के ईस्ट ऑफ कैलाश और द्वारका स्थित इस्कॉन मंदिरों में भी जन्माष्टमी की तैयारियां शुरू हो गई हैं. ईस्ट ऑफ कैलाश में फूलों से सजे पंडाल और 1008 प्रकार के व्यंजनों का भोग तैयार किया जा रहा है. द्वारका इस्कॉन में तीन दिन का उत्सव मनाया जाएगा. 16 अगस्त को 3.5 लाख श्रद्धालुओं के आने की संभावना है. मंदिर में 3100 प्रकार के व्यंजन बनाए जा रहे हैं, जिनमें 1000 किलो के पांच केक भी शामिल हैं. पर पेंटिंग और रंगाई-पोताई हो रही है.

श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा ने बताया कि भगवान को इंद्रधनुषी पोशाक पहनाई जाएगी, जो रेशम, जरी और रत्नों से बनी है. गर्भगृह को 221 किलोग्राम चांदी से सजाया गया है. श्रद्धालु सुबह 5:30 बजे से रात 2:00 बजे तक दर्शन कर सकेंगे.

मथुरा और वृंदावन में जुटेंगे लाखों श्रद्धालु जन्माष्टमी के इस खास मौके पर मथुरा और वृंदावन के मंदिरों में देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु पहुंचेंगे. मथुरा प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं. प्रमुख मार्गों पर अतिक्रमण हटाने और नो व्हीकल जोन में व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए व्यापारी बंधुओं के साथ बैठकें की गई हैं |

विशेष व्यंजन और परंपराएं

द्वारका इस्कॉन में भगवान के लिए विशेष व्यंजन तैयार किए जा रहे हैं. केशव प्रिया ने बताया कि हर साल अलग-अलग थीम पर व्यंजन बनाए जाते हैं. इस बार सुगंधित मिठाइयों का चयन किया गया है, जैसे गुलाब का घेवर, चंदन का चूरमा और उड़ीसा के केसर नारियल लड्डू. ये व्यंजन बिना प्रिजर्वेटिव और शुद्ध देसी घी से बनाए गए हैं |

धार्मिक परंपराओं का पालन

द्वारका इस्कॉन में भगवान की रसोई में केवल दीक्षा प्राप्त भक्त ही प्रवेश कर सकते हैं. अर्चित दास ने बताया कि 15 अगस्त को भगवान का आदिवास होगा, जिसमें भगवान को पहनाई जाने वाली पोशाक और आभूषण पहले दिखाए जाएंगे. 16 अगस्त को सुबह 4:30 बजे मंगल आरती से उत्सव शुरू होगा |

लाखों श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद |

द्वारका इस्कॉन में 8 लाख श्रद्धालुओं के लिए व्रत का प्रसाद तैयार किया जा रहा है. इसमें पनीर टिक्का, खड़ी, कुड़ू के आटे की पूड़ी और आलू की सब्जी जैसे 35-40 प्रकार के आइटम शामिल हैं. यह प्रसाद खुलेआम वितरित किया जाएगा |



हर घर के बाहर पानी रख 5 गांवों ने डेंगू-मलेरिया खत्म कर दिया, इन गांवों में 20 साल से किसी को भी मच्छर जनित बीमारी नहीं हुई |

कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले के 5 गांवों ने पारंपरिक ज्ञान से डेंगू-मलेरिया, चिकनगुनिया, फाइलारियासिस जैसी मच्छरजनित बीमारियां पूरी तरह खत्म कर दी हैं। इन गांवों में 20 साल से किसी को डेंगू-मलेरिया जैसी बीमारी कभी नहीं हुई। इन पांचों गांवों ने हर घर के बाहर मिट्टी के बर्तनों में पानी रखकर मच्छरों की संख्या बढ़ने से रोक दिया। दरअसल, अंधेरे और नमी वाली साफ जगहों पर स्वच्छ पानी से आकर्षित होकर मच्छर उसमें अंडे देते हैं। इसके लार्वा बनने से पहले गांव वाले बर्तन में रखे इस पानी को धूप में बहा देते हैं। बेलथांगडी के कुथलुर गांव की एनी मालेकुडिया कहती हैं- सुनने में थोड़ा अजीब लग रहा होगा |

लेकिन वास्तव में हम मच्छरों को अंडे देने की निश्चित जगह जगह देते हैं, लेकिन उन अंडों को मच्छर नहीं बनने देते। गांव का हर घर हफ्ते के 4 से 5 दिन ऐसा करता है। इससे जंगल के पास होने के बाद भी मच्छरों की संख्या ज्यादा नहीं बढ़ पाती और हम बीमारियों से बच जाते हैं। यह सहज, प्राकृतिक और

प्रभावशाली है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मलेरिया रिसर्च (एनआईएमआर) के मलेरिया मॉलिक्यूलर बायोलॉजिस्ट डॉ. एसके घोष कहते हैं- मच्छर हमेशा ठहरे हुए साफ पानी में अंडे देते हैं। पानी बहा देने से अंडे लार्वा लावा नहीं बन पाते। इससे मच्छरों की लाइफ साइकिल टूट जाती है। यह: शुरुआती स्तर पर ही मच्छरों को नियंत्रित करने का तरीका है।

आसपास के 100 गांवों ने घर के पास पानी रखना शुरू किया | अब इन गांवों के आसपास दक्षिण कन्नड़, चिकमंगलूर और कोडागु जिले के करीब 100 गांवों ने भी इस तरीके को अपनाया शुरू किया है। इन गांवों में भी कई घरों ने अपने आसपास साफ पानी के बर्तन रखने शुरू कर दिए हैं। कर्नाटक के स्वास्थ्य विभाग ने इसे प्रभावी पाया है। स्वास्थ्य कार्यकर्ता चाहते हैं कि इसे प्रदेश भर के गांवों, कस्बों और शहरों में अपनाया जाए |

~ साभार दैनिक भास्कर , जयपुर

आदर्श हेल्थ स्मार्ट कार्ड

आदर्श प्रीति हॉस्पिटल
100 बेड आधुनिक लुमिनास अल्ट्रासोनोग्राफी हॉस्पिटल - चामनोद (धार)

आदर्श हेल्थ स्मार्ट कार्ड

विद्यार्थी का नाम :

15% DISCOUNT

ADARSH Academy
A.B. Road, Dharmood (Dist. Dhar) M.P.

ADARSH INSTITUTE
of Management & Sciences, A.B. Road, Dharmood (Dhar) M.P.

अभिभावक का नाम :

पंजीयन क्र. :

पता :

डॉ. आर.के. पाटीदार
(MBBS, MD)

डॉ. प्रीति पाटीदार
(MBBS, DGO)

मानव संसाधन अभिभावक

भारत रक्षा को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, स्वास्थ्य विभाग के तहत आकर आदर्श परिवार कल्याण 35 वर्षों से स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्ट सेवाएं पूर्ण निष्ठा के साथ अनुभव कर रहे हैं। जैसे ही आप जानते हैं कि स्वास्थ्य सेवाओं में और अधिक आधुनिकता लाने का समय है। 100 बेडों के साथ आदर्श प्रीति हॉस्पिटल चामनोद का उद्घाटन एबी रोड चामनोद में आरंभ हो गया है।

आज के अंडे होते परिवारिक स्वास्थ्य बजट में आपके विचारों एवं स्वास्थ्य बजट को ध्यान में रखते हुए प्रत्यक्ष एवं निरंतर चिकित्सा की आदर्श एकेडमी स्कूल चामनोद एवं आदर्श कॉलेज चामनोद में अध्ययनरत विद्यार्थी के पूरे परिवार को स्वास्थ्य उपचार की आवश्यकता होने पर उपचार हेतु, आदर्श प्रीति हॉस्पिटल चामनोद में सभी प्रकार के उपचार एवं जांचों पर परस्पर वाले खर्च में 15 प्रतिशत आर्थिक सहयोग के रूप में छूट प्रदान करेंगे।

प्रतिभा व विद्वान :-

- आदर्श एकेडमी स्कूल चामनोद एवं आदर्श कॉलेज चामनोद में अध्ययनरत विद्यार्थी को पूरे परिवार के विवेक आदर्श प्रीति हॉस्पिटल चामनोद की ओर से एक "आदर्श हेल्थ स्मार्ट कार्ड" दिया गया है।
- आदर्श प्रीति हॉस्पिटल चामनोद के "आदर्श हेल्थ स्मार्ट कार्ड" के साथ - सभी प्रकार के परामर्श पत्र, पत्र, सभी प्रकार की जांचों (एच.एल.ए., एच.टी.वी., एच.आई.वी.) पर, प्रत्यक्ष को भर्ती करने पर और सभी प्रकार के ऑपरेशन, सर्जिकल हेल्थ चेकअप आदि पर लगने वाले खर्च में 15 प्रतिशत आर्थिक सहयोग के रूप में छूट प्रदान की जाएगी।
- आदर्श प्रीति हॉस्पिटल चामनोद के "आदर्श हेल्थ स्मार्ट कार्ड" को उपचार में सहयोग हेतु समय-समय पर और उचित स्थिति पर चिकित्सक द्वारा लाना चाहिए।
- आर्थिक सहयोग के विवेक को. नं. 7747033449 अथवा 9926021417 सम्पर्क करें या हॉस्पिटल लिखें करें।

आप भी लिखिए

आदर्श अखबार अपने समस्त

पाठकों से सामान्य ज्ञान, समसामयिक लेख, इतिहास, कला-संस्कृति, वैज्ञानिक तथ्य, राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय, प्रादेशिक घटनाक्रम तथा रचनात्मक लेखों को प्रकाशन हेतु आमंत्रित करता है।

आप अपनी रचनाएं aimsadar-shakhbar@gmail.com पर मेल कर सकते हैं।

संपादन सहयोग :

Patron - Dr. R. K. Patidar - Director, AIMS

Prof. Yashpal Vyas - Principal, AIMS

Asst. Prof. Priyanka Tiwari - Dept. of History

Asst. Prof. Pramod Bamanian - Dept. of Zoology

Asst. Prof. Neha Verma - Dept. of Botany

Asst. Prof. Yash Karma - Dept. of Physics

Asst. Prof. Sheetal Chouhan - Dept. of Commerce

काव्य रचना

चंदन सी मिट्टी... गुलाब सी खुशबू,
गूंजता है हर कोना... देश की धुन।

हर पत्थर के नीचे एक कहानी छुपी,
हर लहू के क्रतरे में... एक जवानी छुपी।

तिरंगा जो लहराता है आसमान के पार,
वो कहता है – याद रखना शहीदों का प्यार...

ना पूछो हमने क्या खोया,
बस देखो तुमने क्या पाया...
ये आज़ादी तुम्हें आसान मिली,
हमने अपना लहू बहाया।

कोई गांधी बनकर सच के रास्ते चला,
कोई भगत बनकर फाँसी पर मुस्कुरा चला...
कोई बोस बनकर गरज उठा —
“तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा”
कहकर जग उठा।

आज मिट्टी से पूछो, वो कहती है —
मैं वीरों के खून से रंगीन हूँ...
आज आसमान से पूछो, वो कहता है —
मैं तिरंगे की उड़ान से सुहाना हूँ।

देश सिर्फ़ ज़मीन का टुकड़ा नहीं,
ये माँ है... जिसका आँचल वीरों के बलिदान से सजा है।
ये मंदिर है... जिसमें एक-एक दिया शहीदों के खून से जला है।

ना सोचना आज़ादी सस्ती है,
इसके पीछे हर एक आँसू महँगा है...
तुम स्कूल की घंटी बजते ही हँसते हो,
कोई सीमा पर... गोलियों की आवाज़ में सोया है।

देश तभी महान है,
जब आज़ादी सिर्फ़ किताबों में कहानी ना रहे
तिरंगा तभी ऊँचा है,
जब वीरों की कुर्बानी हर दिल की धड़कन में जीवित हो।

तिरंगा हवा से नहीं लहराता...
वो लहराता है...
शहीदों की आखिरी साँसों की गरमाहट से,
माँओं के आँसुओं की नरमी से,
और उन वीरों के खून की लाली से...
जो कहते हैं — हम गए, पर आज़ादी रहे।

चलो आज हम ये कसम खाएँ...
ना सिर्फ़ देश में रहेंगे... देश के लिए जीएँगे।
ना सिर्फ़ तिरंगे को देखेंगे... तिरंगे के नीचे मर मिटेंगे।

जय हिंद! वंदे मातरम्!

Student - Saloni Malviya , BSc Plain 1st Year

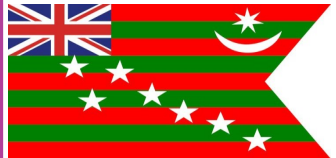
1906



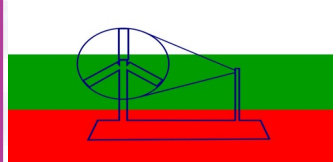
1907



1917



1921



1931



1947



रोजगार के अवसर

इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सोनेल
सिलेक्शन (आईबीपीएस)

पद का नाम - कस्टमर सर्विस एसोसिएट्स
(क्लर्क)
पदों की संख्या - 10277
योग्यता - किसी भी मान्यता प्राप्त
विश्वविद्यालय से स्नातक डिग्री।
अंतिम तिथि - 21 अगस्त, 2025
वेबसाइट - <https://www.ibps.in>

सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया

पद का नाम - कोर्ट मास्टर (शॉर्टहैंड)
पदों की संख्या - 30
योग्यता - मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या
संस्थान से स्नातक डिग्री तथा कम्प्यूटर
संचालन एवं टाइपिंग तथा शॉर्टहैंड का ज्ञान
हो।
अंतिम तिथि - उल्लेखित नहीं
वेबसाइट - <https://www.sci.gov.in>

द ओरियंटल इश्योरेंस
कंपनी लिमिटेड

पद का नाम - असिस्टेंट
पदों की संख्या - 500
योग्यता - किसी भी मान्यता प्राप्त
विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक
की डिग्री।
अंतिम तिथि - 17 अगस्त, 2025
वेब - <https://orientalinsurance.org.in>

मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल

पद का नाम - पैरामेडिकल सर्विस के
अंतर्गत फिजियोथेरेपिस्ट, काउंसलर,
फार्मासिस्ट ग्रेड-2, नेत्र सहायक, ओटी
टेक्निशियन
पदों की संख्या - 752
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 16 अगस्त, 2025
वेबसाइट - <https://esb.mp.gov.in>

सीमा सुरक्षा बल

पद का नाम - खेल कोटे के तहत कांस्टेबल
(सामान्य ड्यूटी)
पदों की संख्या - 241
योग्यता - मान्यता प्राप्त बोर्ड से मैट्रिक
(10वीं कक्षा) उत्तीर्ण हो साथ ही अन्य
योग्यताएं।
अंतिम तिथि - 20 अगस्त, 2025
वेबसाइट - <https://rectt.bsf.gov.in>

ऑयल इंडिया लिमिटेड

पद का नाम - बॉयलर अटेंडेंट, कॉन्स्टेबल,
फायर एंड सेफ्टी ऑफिसर, सेनिटेशन
ऑफिसर, नर्स, हिन्दी ट्रांसलेटर, केमिकल
इंजीनियर, सिविल इंजीनियर, कम्प्यूटर
इंजीनियर, इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर,
मैकेनिकल इंजीनियर, केमिकल इंजीनियर,
पदों की संख्या - 262
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 18 अगस्त, 2025
वेब - <https://www.oil-india.com>

मध्यप्रदेश पावर जनरेशन
कंपनी लिमिटेड

पद का नाम - सहायक अभियंता (उत्पादन,
सिविल), पाली रसायनज्ञ, चिकित्सा
अधिकारी, सुरक्षा अधिकारी, कार्मिक
अधिकारी, कनिष्ठ अभियंता (मैकेनिकल,
इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, सिविल),
संयंत्र सहायक (मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल),
कार्यालय सहायक, भंडार सहायक, कनिष्ठ
शीघ्रलेखक, अभिशासक, सुरक्षा सैनिक,
वॉर्ड आया, वॉर्ड बॉय
पदों की संख्या - 346
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 21 अगस्त, 2025
वेब - <https://www.mppgcl.mp.gov.in>